

30/19 पत्रावली पेश हुई। वादीगण स्वयं अथवा अधिवक्ता वादीगण उपस्थित नहीं हुए। न्यायालय समय में बार-बार अवाजे लगावार्त गई परन्तु वादीगण की ओर से कोई उपस्थित नहीं हुए। न्यायादेश में उपस्थित होने बावजूद पूर्व में अवसर भी दिया जा चुका है। वादीगण अथवा उनके अधिवक्ता किराताफिड नहीं की जा रही हैं जिससे न्यायालय का अनावश्यक समय जाया हो रहा है। अतः यह वाद इसी स्टेज पर अफम पैरवी/अफम एजरी में श्वारीज स्थित जाता है। पत्रावली फेरुन भुगत हो कर नावत से कम हो। निर्णय सुले न्यायालय में सुनाया गया है।





सहायक कलक्टर
(एस.डी.ओ.) कुम्भलगढ
जिला-राजसमन्द,